RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष - 23 | अंक - 05 | मुंबई, 05 मार्च 2024 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

महाराष्ट्र के पुलिस महासंचालक रश्मि शुक्ला ने माना, जनता का पुलिस पर से विश्वास कम हुआ

म.क्रा.संवाददाता

मुंबई; दिनांक ०९/०१/२०२४ के रोज महाराष्ट्र राज्य में रश्मि शुक्ला ने पुलिस महा संचालक का पदभार संभालने के बाद एक पत्र के माध्यम से यह बात लिखी, आज जनता का महाराष्ट्र की पुलिस पर से विश्वास कम हो गया है। कारण जहां तक देखा गया है की अक्सर त्रस्त नागरिक पूरे विश्वास के साथ न्याय की अपेक्षा लेकर पुलिस थाने जाते है। वहां उन्हें सिर्फ निराशा हाथ लगती है।

वह इसलिये क्योंकी पुलिस आज उन्ही की सुनती है, जिनके पास रुपये हो या उनकी सत्ताधारी नेताओ से या पुलिस विभाग में किसी आलाधिकारी से पहचान होने पर ही उनकी शिकायत सुनी व लिखी जाती है। और ज्यादातर पुलिस थाने के अधिकारी कुछ रुपयों की लालच में समाज में होने वाली समाज विघातक कार्य को हमेशा अनदेखा करते है` इसलिये क्योकी उन्हें इस तरह के अवैध धंधो से महीने में लाखो की उपरी कमाई हो जाती है। जिसका उदाहरण मुंबई शहर के अंतर्गत आने वाले अंबोली पुलिस थाने, ओशिवरा पुलिस थाने, और गोवंडी पुलिस थाने में देखा गया है।

अंबोली पुलिस थाने के रामशा नामक मसाज पार्लर (स्पा)

हमारे संवाददाता के अनुसार अंबोली पुलिस थाने के परिसर में कई लोगो की यह शिकायत थी, रामशा नामक मसाज पार्लर (स्पा) में मालकिन सोमा मुखर्जी नामक महिला कुछ लडकियों के माध्यम से मसाज के आड़ में देह व्यापार का धंधा चला रही है। हर्षवर्धमान यादव ने मामले की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से रामशा स्पा में जाकर देखना चाहा। उन्होंने उस दुष्कर्म की पूरी एक घंटे की विडिओ बनाई उस विडिओ में यह साफ दिखाई दे रहा है की सोमा मुखर्जी किस तरह से रामशा स्पा में गैर कानूनी तरीके से कानून को ताक पर रख कर यह

जयवंत शिंदे
व.पु.नि. अंबोली पुलिस थाने

अवैध धंधा चला रही है।

स्थानिको के अनुसार इस

रामशा नामक मसाज पार्लर (स्पा) में मालकिन सोमा मुखर्जी

रामशा स्पा में चलने वाली अश्लील गतिविधियों की जानकारी स्थानिक अंबोली पुलिस थाने के किसी भी अधिकारी को नही है। इस बात पर महाराष्ट्र क्राइम्स समाचार पत्र के माध्यम से दिनांक १५/०१/२०२४ के रोज अंबोली पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे को एक लिखित पत्र द्वारा ज्ञापन देकर रामशा स्पा में चलने वाली गतिविधियो जानकारी देकर कानूनी कारवाई करने की मांग की। पत्र दिये जाने के पन्द्रह दिनों के बाद दिनांक ३०/०१/२०२४ के रोज दुबारा स्मरण पत्र देकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे का ध्यान रामशा स्पा ले जाना चाहा। पत्र पाते ही अंबोली पुलिस थाने द्वारा दिनांक. ०१/०२/२०२४ के रोज हमे एक पत्र भेज कर दिनांक ०३/०२/२०२४ के रोज सुबह ग्यारा बजे सारे सबूतों के साथ अंबोली पुलिस थाने में महिला पुलिस अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक शैला कोरडे से मिलने को कहा गया। पत्र के अनुसार समय पर अंबोली पुलिस थाने पहूंच कर स.पु.नि. कोरडे मैडम से मिलने पर उन्होंने सहाय्यक पुलिस उप निरीक्षक हर्दनकर से कहा हमारा जवाब दर्ज करके हमारे पास जो विडिओ है। उसे भी लेने को कहा। हर्दनकर ने हमारा जवाब दर्ज करने के साथ हमारे पास जो विडिओ रिकॉर्डिंग है उसे भी उन्होंने लिया और हमे यह कह कर जाने के लिये कहा गया की मैडम किसी काम से बहार गई है। उनसे बात करके मै आपको जब बुलाउगा तभी आप आना। पूरा महिना बीत जाने के बाद भी अंबोली पुलिस थाने से हमे बुलावा नही आया। दिनांक २/०३/२०२४ के रोज रामशा स्पा के पते पर जाकर देखा। रामशा स्पा की

राजतिलक रोशन
पुलिस उपायुक्त परिमंडल - 9

मालकिन सोमा मुखर्जी बिना किसी डर के खुलेआम लडकियों को रख कर स्पा चला रही है। आसपास के लोगो से जब इस रामशा स्पा के विषय में जानकारी लेने पर हमे बहुत कुछ जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी यह है कि रामशा नामक स्पा अवैध तरह से खुलेआम इसलिये चलाया जा रहा है क्योंकी इस अवैध स्पा को जानकारी स्थानिक अंबोली पुलिस थाने के आशीवार्द प्राप्त है। और इसके एवज में स्पा की मालकिन सोमा मुखर्जी हर महीने अंबोली पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे को पचास हजार रुपए दिया करती है। और यह रुपये उनके ऑर्डली शिंदे ले जाया करता है। इसलिये वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे ने सारे पुख्ता साबुत होने के बाद भी उन्होंने और महिला पुलिस अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक शैला कोरडे ने इस रामशा स्पा को अपना संरक्षण देते हुये शिकायत को पूरी तरह अनदेखा किया। जानकर यह भी बताते है कि आज लगभग १८ से २० स्पा, १० से १२ हुक्का पार्लर, ७ से ८ डांस बार और ७ से ८ पब से नजराना लिया जाता है। इस पर मुंबई पुलिस विभाग के आला अधिकारी यह अनुमान लगा सकते है कि अंबोली पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जयवंत शिंदे अवैध तरीके से हर माह कितने रुपयों की कमाई करते है?

(पेज ५ पर....)

गोवंडी पुलिस थाने के हद में जुएस थाई स्पा

रश्मि शुक्ला (पुलिस महासंचालक)

राजीव शेजवल हाजिर हो ..... खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बहोत जल्द अदालत में हाजिर होगे

खारघर, पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजीव यादवराव शेजवल पर शिकायतकर्ता ने यह आरोप लगाया है। दिनांक १५/०६/२०२३ के रोज खारघर पुलिस थाने के हद में प्लाट क्र.१७/१८/१९

ग्लोमक्स मॉल सेक्टर २ पहला माले पर दुकान क्र. एफ ४३ में सेवन स्टार नामक स्पा में चल रहे देह व्यापार के धंधे की पुरे एक घंटे की विडिओ रिकॉर्डिंग करके परिमंडल क्र. २ के पुलिस उपायुक्त श्री पंकज दहाने को एक लिखित पत्र के साथ उस विडिओ रिकॉर्डिंग की एक मेमरी कार्ड जोड़ कर दिया गया। श्री पंकज दहाने ने खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिव निरीक्षक शेजवल को सेवन स्टार स्पा पर सक्त कानूनी कारवाई करने का आदेश दिया। शेजवल ने सेवन स्टार स्पा पर कानूनी कारवाई सिर्फ नाम के लिये करके मामले पूरी तरह से रफा दफा किया। इससे शिकायतकर्ता असंतुष्ट होकर पनवेल की एक अदालत में आई.पी.सी. धारा १६६ ए.के तहत एक याचिका यह कहकर दायर की कि खारघर पुलिस थाने में कार्यरत वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजीव यादवराव शेजवल ने अपने पद और कर्तव्य का पूरी तरह से उलंघन करके दिनांक २८/०७/२०२३ के रोज भा.द.वी.११४,२९४,३४, के तहत सेवन स्टार स्पा के मालकिन तबसुम जावेद शेख उर्फ. अस्मिता पर कानूनी कारवाई करके पुरे मामले को समाप्त कर दिया। अब देखना यह है कि अदालती कारवाई में खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजीव यादवराव शेजवल अपनी सफाई में क्या कहते है?

संपादकीय

सकारात्मक संकेत

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सुखद और सकारात्मक संकेत हैं। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 8.4 फीसदी रही है। बीते साल इसी अवधि के दौरान यह दर लगभग आधी, अर्थात 4.3 फीसदी थी। इस डाटा का स्पष्ट संकेत है कि 2023-24 के दौरान आर्थिक विकास दर 7.6 फीसदी रहेगी। पहले यही अनुमान 7.3 फीसदी था। अर्थशास्त्री यह आकलन भी कर रहे हैं कि जीडीपी की विकास दर आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2024) के दौरान कुछ कम भी हो सकती है। चौथी तिमाही में विकास दर 5.9 फीसदी हो सकती है। फिर भी हमारी अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी दर चीन, अमरीका, जापान, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी सरीखे बड़े देशों से अधिक रहेगी। यह आकलन अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री यह आकलन कर रहे हैं कि 2024-25 के दौरान विकास दर 5 फीसदी भी रही, तो गनीमत समझें। भारत की अर्थव्यवस्था फिर भी दुनिया में सबसे आगे रहेगी। बहरहाल अर्थशास्त्री ही 8.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर देखकर हैरान हैं, क्योंकि 30 से अधिक अर्थशास्त्रियों के अनुमान थे कि दिसंबर तिमाही में बढ़ोतरी दर 6 से 7.2 फीसदी के बीच रह सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी तीसरी तिमाही में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया था, लेकिन आंकड़े तमाम अपेक्षाओं और अनुमानों को पीछे छोड़ गए हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने यह पूरा डाटा जारी किया है। सभी अनिवार्य मानदंडों और क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था की गति धावक वाली है, लेकिन कृषि की अनुमानित बढ़ोतरी दर 2023-24 में 0.7 फीसदी ही रहेगी। 2022-23 में यह दर 4.7 फीसदी थी। दिसंबर तिमाही में भी कृषि की यह दर -0.8 फीसदी आंकी गई है। यह नकारात्मक और निराशाजनक संकेत है। अलबत्ता औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े खनन, उत्पादन, बिजली, गैस, निर्माण, जल आपूर्ति आदि क्षेत्रों ने खूब गति पकड़ी है और उनकी औसतन विकास दर 9 फीसदी रहेगी। ऐसी विकास दर का सबसे बड़ा कारण यह है कि अर्थव्यवस्था में 17 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाले उत्पादन क्षेत्र में 11.6 फीसदी की वृद्धि हुई है।

यही दर बीती दिसंबर तिमाही के दौरान -4.8 फीसदी, यानी नकारात्मक, थी। उत्पादन के बाद निर्माण और बिजली क्षेत्रों की वृद्धि दर क्रमशः 9.5 फीसदी और 9 फीसदी रही है। नतीजा यह है कि देश में उत्पादन और निर्माण क्षेत्रों का विकास टिकाऊ और गतिशील रहा है। सेवा क्षेत्रों-व्यापार, होटल, परिवहन, संचार, वित्तीय, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाएं आदि-में आर्थिक विकास दर अपेक्षाकृत धीमी है, लेकिन फिर भी उनका औसत विकास 7 फीसदी रहा है। डाटा के मुताबिक, जीडीपी का आकार 43.55 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो बीते साल की समान तिमाही में 40.35 लाख करोड़ रुपए था। बेशक जीडीपी बढ़ी है, विकास दर अप्रत्याशित रही है, गति निरंतर है, उसके बावजूद उपभोग, खपत के स्तर पर अब भी निराशा है। मजबूत अर्थव्यवस्था का सही फायदा तभी मिलेगा, जब खपत और निजी निवेश में बढ़ोतरी होगी। निजी व्यय सिर्फ 3.5 फीसदी की दर से बढ़ा है। पूरे वित्त वर्ष में यह दर घटकर 3 फीसदी तक लुढक सकती है। हालांकि निवेश गतिविधियां 10.2 फीसदी से बढ़ती दिख रही हैं, लेकिन अर्थशास्त्री इसकी गति तेज चाहते हैं। उससे निजी उपभोग के आसार बढ़ेंगे। 2023-24 में अप्रैल-जनवरी, 2024 के दौरान देश का कर-राजस्व 18.8 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो पिछले साल इसी अवधि में 16.9 लाख करोड़ रुपए था। सबसिडी खाद्य, उर्वरक, यूरिया, पोषाहार और पेट्रोलियम को लेकर केंद्र सरकार की सबसिडी आगामी वर्ष 6.02 लाख करोड़ रुपए से घट कर 5.43 लाख करोड़ रुपए रह जाएगी।

मुंबई पोर्ट पर पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज को रोकाः बैलिस्टिक मिसाइलों-हथियारों से जुड़ी मशीनरी मिली, जांच के बाद कार्गो जब्त

मुंबई, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज को मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर रोक दिया। एजेंसियों को जहाज में संदिग्ध सामान होने की आशंका थी, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए कर सकता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज को मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर रोक दिया है। एजेंसियों को जहाज में संदिग्ध सामान होने की आशंका थी'',

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज को मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर रोक दिया। एजेंसियों को जहाज में संदिग्ध सामान होने की आशंका थी, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए कर सकता है। भारत के कस्टम अधिकारियों ने माल्टा के झंडे वाले एक मर्चेंट शिप CMA CGM एटिला को 23 जनवरी को रोका था। हालांकि इसकी जानकारी अब सामने आई है। यह जहाज कराची जा रहा था। इस पर इटली की एक कंपनी की कम्प्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (उठउ) मशीन मौजूद थी।

चीन के सहारे यूरोप-अमेरिका से प्रतिबंधित सामान मंगवाने की कोशिश में ढअङ इसके बाद ऊफ्ळ्ड की एक टीम ने भी मशीन और जहाज पर मौजूद दूसरे सामानों का निरीक्षण

किया। ऊफ्ळ्ड की टीम ने पुष्टि की है कि उठउ मशीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम में किया जा सकता है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि पाकिस्तान यूरोप और अमेरिका से प्रतिबंधित सामान हासिल करने के लिए चीन का सहारा ले रहा है, जिससे इसकी पहचान न हो सके। जहाज से जुड़े दस्तावेजों के मुताबिक सामान शंघाई खए लॉजिस्टिक्स कंपनी से भेजा गया था जो सियालकोट में पाकिस्तान विंग्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पहुंचने वाला था। हालांकि जांच के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि जहाज पर मौजूद सामान का वजन 22 हजार किलो से ज्यादा था। इसे ताइयुआन माइनिंग कंपनी ने भेजा था और यह पाकिस्तान की कॉस्मोस इंजीनियरिंग कंपनी पहुंचने वाला था।

पोर्ट पर मौजूद अधिकारियों ने भारत के स्पेशल इंटेलिजेंस अफसरों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद इन अफसरों ने कार्गो की दोबारा जांच की और उसे जब्त कर लिया। बता दें कि पाकिस्तान की कॉस्मोस इंजीनियरिंग कंपनी एक डिफेंस सप्लायर है। यह मार्च 2022 में उस वक्त निगरानी में आई जब कंपनी ने इटली से थर्मोइलेक्ट्रिक सामान को जहाज के जरिए कराची लाने की कोशिश की थी। CNC मशीनें प्रीप्रोग्राम्ड कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के जरिए मशीन टूल्स के नियंत्रण और सटीकता को कंट्रोल करती हैं। इसका इस्तेमाल सिविलियन और मिलिट्री दोनों के संबंध में किया जा सकता है।

1996 से, उठउ मशीनों को वासेनार अरेंजमेंट में शामिल किया गया था। यह एक अंतरराष्ट्रीय हथियार नियंत्रण व्यवस्था है, जिसका मकसद नागरिक और सैन्य दोनों जगह इस्तेमाल होने वाले इक्विपमेंट्स के प्रसार को रोकना है। भारत उन 42 सदस्य देशों में से एक है जो पारंपरिक हथियारों और दोहरे तौर पर इस्तेमाल होने वाले सामानों-तकनीकों के ट्रांसफर से जुड़ी जानकारी शेयर करता है।

भारतीय अधिकारियों ने पहले भी जब्त करे कार्गो

बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने चीन से पाकिस्तान जाने वाले ऐसे सामान को जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल मिलिट्री में भी हो सकता है। फरवरी 2020 में चीन ने इंडस्ट्रियल ड्रायर के धोखे में पाकिस्तान को ऑटोक्लेव सप्लाई करने की कोशिश की थी। इसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च करने के लिए किया जाता है। जून 2023 में अमेरिकी उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो ने चीन की 3 कंपनियों पर कई प्रतिबंध लगाए थे। इन पर आरोप था कि ये पाकिस्तान को उसके बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम से जुड़े सामान भेजने की कोशिश में थीं।

IPC अब भारतीय न्याय संहिता:एक जुलाई से लागू होंगे 3 नए क्रिमिनल लॉ; हिट एंड रन में बदलाव अभी लागू नहीं होगा

मुंबई, तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सरकार ने इससे जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। यानी अब इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो जाएगा।

नए कानून के लागू होने के बाद जो धाराएं अपराध की पहचान बन चुकी थीं, उनमें भी बदलाव होगा। जैसे हत्या के लिए लगाई जाने वाली क्ढउ की धारा 302 अब धारा 101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा 420 अब धारा 316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा 307 अब धारा 109 कहलाएगी। वहीं दुष्कर्म के लिए लगाई जाने वाली धारा 376

अब धारा 63 होगी।

तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर 2023 को संसद की मंजूरी मिली थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर 2023 को इन पर साइन करके कानून बनाया था।

हालांकि, हिट एंड रन केस का संबंधित प्रावधान तुरंत लागू नहीं होगा। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने जनवरी में कहा था कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) को लागू करने का फैसला अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से सलाह के बाद ही लिया जाएगा।

यूपी के कासगंज में ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटी, 54 डूबे:23 की मौत

उत्तर प्रदेश के कासगंज में शनिवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटने से 23 लोगों की मौत हो गई। इनमें 9 बच्चे शामिल हैं। ट्रॉली में 54 लोग सवार थे। 10 की हालत गंभीर है जिन्हें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी 20 लोगों की इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी हो गई है। जिस बच्चे का मुंडन होने वाला था, वह अभी लापता है। ये सभी लोग एटा के जैथरा के रहने वाले हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया है... उत्तरप्रदेश के कासगंज में शनिवार को हादसा हो गया है। यहां एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटने से 15 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉली में 40 लोग सवार थे। मरने वालों में 8 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल हैं।''

मकान के अंदर से आती थी ड्रिलिंग की आवाज, पुलिस ने मारा छापा, नजारा देख रह गई सन्न

गोपागलंज. गोपागलंज पुलिस ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले 'मिशन सुरक्षा' अभियान के तहत अवैध रूप से चल रहे मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है. मकान के अंदर अंडरग्राउंड में गन फैक्ट्री चल रही थी. छापेमारी के दौरान पुलिस को हथियारों का जखीरा मिला.

दरअसल, गोपालगंज पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि जादोपुर थाना क्षेत्र के एकडेरवा गांव में राजेंद्र शर्मा के मकान के अंदर अंडरग्राउंड में गन बनाने की फैक्ट्री चल रही है. एसपी स्वर्ण प्रभात ने एक टीम गठित कर छापेमारी की तो नजारा देख पुलिस भी हैरान रह गई. मकान के अंदर शौचालय की टंकी में गन बनाने का अवैध धंधा चल रहा था. पुलिस ने छापेमारी के दौरान कुख्यात अपराधी राजेंद्र शर्मा को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने चार देसी कट्टा, 10 जिंदा कारतूस, एक बाइक, एक अर्धनिर्मिमित रिवॉल्वर और अर्धनिर्मित दो देसी कट्टा, देसी कट्टा की छह

प्लेट समेत हथियारों के पार्ट्स और ड्रिल मशीन जब्त किया. एसपी ने कहा कि कुख्यात राजेंद्र शर्मा एकडेरवा पर जादोपुर और सीवान जिला के नौतन थाने में हथियार तस्करी का मामला दर्ज है. अन्य अपराधिक मामले की जांच की जा रही है.

गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया, 'गुप्त सूचना के आधार पर गोपालगंज पुलिस द्वारा एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है. मिनी गन फैक्ट्री के संचालक को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी की निशानदेही पर भारी मात्रा में असलहा, निर्मित और अर्ध-निर्मित हथियार, फैक्ट्री मशीनरी को बरामद किया गया है. आरोपी से पूछताछ जारी है. आरोपी बहुत ही गोपनीय तरीके से काम करता था. पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. टीम को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया है.'

एसपी प्रभात ने कहा कि 'अवैध गन फैक्ट्री से किन-किन लोगों तक हथियार पहुंचा और कौन-कौन लोगों ने ऑर्डर दिया था, इसकी जांच चल रही है. पुलिस को आशंका है कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए अपराधियों को सप्लाई करने केलिए मिनी गन फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था.'

25 सालों से घात लगाकर बैठी थी पुलिस;

'बिल' से निकलते ही दबोची गई 'खिलाड़न', चीन से रची थी यह बड़ी साजिश

करीब 25 साल पहले इस मामले की शुरूआत पड़ोसी मुल्क चीन से हुई थी. चीन में बैठ कर कुछ लोगों ने एक साजिश रची थी. इसी साजिश को अंजाम देने के लिए मकसद से गुरुदीश सिंह 25 साल पहले 24 जुलाई की रात दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचा था. गुरुदीश अपने मकसद में सफल हो पाता, इससे पहले वह इमीग्रेशन ब्यूरो के हत्थे चढ़ गया. पूछताछ में गुरुदीश की भूमिका बेहद संदिग्ध पाए जाने के बाद इमीग्रेशन ब्यूरो ने उसे आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस के हवाले कर दिया.

आईजीआई एयरपोर्ट की ऊषा रंगनानी के अनुसार, यह पूरा मामला अवैध तरीके से लोगों को विदेश भेजने से जुड़ा हुआ है. आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुआ गुरुदीश भी इसी कड़ी का हिस्सा था. दरअसल, 24 जुलाई 2009 की रात इमीग्रेशन ब्यूरो ने जगदीश सिंह के पासपोर्ट पर लगे कनाडा के वीजा को फर्जी पाया था. इसी आधार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें चीन में रची गई साजिश और उसमें शामिल सभी लोगों के नाम का खुलासा हुआ, जिसमें अशोक, सुखदेव सिंह और राजविंदर उर्फ राज कौर के नाम सामने आए.

चीन में इन तीन लोगों के साथ मिलकर तैयार की साजिश

डीसीपी ऊषा रंगनानी ने अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह मूल रूप से पंजाब के मोंगा जिले के दत्ता गांव का रहने वाला है. चीन में मुलाकात के दौरान, अशोक, सुखविंदर और राजविंदर ने जैसा कहा, वह वैसा ही करता चला

गया. पूछताछ में उसने यह भी बताया कि आरोपी सुखदेव सिंह और राजविंदर पति-पत्नी हैं. इस खुलासे के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी. पुलिस इन तीनों के पास पहुंचती, इससे पहले गुरुदीश की गिरफ्तारी की बात इन तीनों तक पहुंच गई.

एयरपोर्ट पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद तीनों आरोपी गिरफ्त में नहीं आ सके. चार साल चली कवायद के बाद भी जब तीनों पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहे, तब कोर्ट ने 2012 और 2013 में तीनों आरोपियों को भगोड़ा घोषित कर दिया. इसके बाद, साल दर साल समय बीतता गया और पुलिस तीनों को गिरफ्तार करने की कोशिशों में लगी रही. पुलिस ने अभी भी टेक्निकल सर्विलांस के साथ मुखबिरों की टोली इनकी तलाश में लगा रखी थी. 25 साल के लंबे इंतजार के बाद अचानक पुलिस के हाथ एक अच्छी खबर लगी.

25 साल बात पुलिस के हाथ लगी एक अच्छी खबर

डीसीपी ऊषा रंगनानी ने अनुसार, खबर मिलते ही इंस्पेक्टर मोहित यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें सब इंस्पेक्टर योगेंद्र, हेडकॉन्स्टेबल बंटी यादव और महिला कॉन्स्टेबल सुमन को शामिल किया गया. दरअसल, पुलिस को खबर मिली थी कि इस मामले की एक आरोपी राजविंदर उफ राज कौर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली है. सूचना मिलते ही आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस की टीम ने रेलवे स्टेशन की घेरेबंदी कर महिला आरोपी राजविंदर को गिरफ्तार कर लिया.

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी राजविंदर उर्फ राज कौर ने चीन में रची गई साजिश में शामिल होने के साथ साथ गुरुदीश सिंह से 15 लाख रुपए लेने की बात कबूल कर ली है. उससे पूछताछ का दौर अभी जारी है. आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी के पति सुखदेव सिंह और अशोक को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

गरीबी से तंग आकर एक मां ने कर दिया 5 हजार रुपये में बेटे का सौदा

मुंबईःवाडिया अस्पताल में एक पांच साल के नाबालिग बच्चे

को उसके कथित माता-पिता ने भर्ती कराया था। इलाज के दौरान डॉक्टरों को जब परिजन पर शक मानव तस्करी के आरोप में 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, तीन आरोपी गिरफ्तार हुआ, तो पूछताछ की गई। परिजन ने बच्चे को गोद लेने का दावा किया था। लेकिन वे गोद लेने संबंधित कोई कागजात पेश नहीं कर सके। इसके बाद अस्पताल ने भोईवाड़ा पुलिस को सूचित किया। मामले की जांच करने पर पुलिस को पता चला कि पीड़ित बीमार बच्चा एक गिरोह का शिकार हुआ है। पुलिस ने मानव तस्करी समेत आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत आठ लोगों चंद्रकांत वाघमारे, सेवंती वाघमारे, परशुराम चोगले, मालती चोगले, लक्ष्मी पाटील, दीप्ति पावसे, भास्कर चौलकर और तुकाराम रामा पाटील के खिलाफ केस दर्ज कर उसे आगे की जांच के लिए रायगड पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। रायगड़ पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ऐसे हुआ मामले का खुलासाः

एक जांच अधिकारी ने बताया कि पीड़ित बच्चा मूल रूप से रायगड जिले का निवासी है। गरीबी से तंग आकर उसकी मां ने पांच हजार रुपये में इस बच्चे को बेच दिया था। जिस महिला ने बच्चे को खरीदा था, उसने 40 हजार रुपये में रायगड के भरड़खोल निवासी परशुराम चोगले और शेवंती चोगले को बेच दिया। परशुराम की बहन लक्ष्मी के मार्फत दीप्ति पावसे से इस बच्चे को खरीदा गया। इसी बीच, वह बच्चा बीमार हो गया। रायगड में इलाज कराया गया। ठीक नहीं होने के बाद दीप्ति, लक्ष्मी और चोगले ने इस बच्चे को वाडिया अस्पताल में भर्ती किया, जहां अस्पताल के डॉक्टरों को इन पर संदेह हुआ।

गांव के चौपाल में तय हुई थी बच्चे की कीमत

भोईवाड़ा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रायगड के उक्त गांव में उपसरपंच की उपस्थिति में एक चौपाल लगाई गई थी, जिसमें बच्चे को खरीदने पर फैसला लिया गया। उप सरपंच भास्कर चौलकर के सामने तुकाराम पाटील, लक्ष्मी पाटील, दीप्ति पावसे, चंद्रकांत वाघमारे और शेवंती वाघमारे की आपसी सहमति से इस बच्चे की कीमत 40 हजार रुपये तय की गई। दीप्ति ने बच्चे को बेचे जाने वाले प्रस्ताव और चोगले ने खरीदने वाले प्रस्ताव को स्वीकार किया था।

नेपाल से आई गाड़ी में कुछ नहीं मिला तो बुलाए गए 2 डॉग्स, फिर मामला ही पलट गया, धक रह गई पुलिस

महाराजगंज. जनपद से सटे भारत- नेपाल की सोनौली सीमा पर बड़ा मामला सामने आया है. यहां तैनात पुलिस को सूचना थी कि नेपाल से आ रही एक गाड़ी में ड्रग्स हैं. इस सूचना पर रोकी गई स्कार्पियो गाड़ी की पूरी जांच की गई, लेकिन पुलिस को कुछ भी बरामद नहीं हुआ. हालांकि खबर पक्की थी तो फिर सशस्त्र सीमा बल के स्पेशल डॉग्स लूडो और मोंक को बुलाया गया. इन दोनों ने झट से इशारा कर दिया कि पिछली सीट में कुछ छिपाया गया है. इसके बाद पुलिस ने 71 किलो चरस बरामद कर ली.

पुलिस ने बताया कि इससे 5 घंटा पहले जांच के दौरान पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ चरस बरामद किया था. इसके बाद सक्रिय पुलिस ने दिन भर में पुलिस ने कुल तीन बार चरस बरामद किया. इसमें पहली खेप दस किलो, दूसरी खेप कुत्तों की संजीदगी के बाद 71 किलो और तीसरी बरामदगी 38 किलो की हुई.

75 से 85 करोड़ रुपए कीमत की चरस बरामद

पुलिस के मुताबिक बरामद

कुल चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य करीब 75 से 85 करोड़ रुपए बताई जा रही है. सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भारत नेपाल सीमा पर सुबह पुलिस और सशस्त्र सीमा बल के द्वारा जांच पड़ताल और चेकिंग की जा रही थी. इसी दौरान एक नेपाली नागरिक को आते देखा गया. उसकी गतिविधि संदिग्ध होने पर पुलिस ने नेपाली नागरिक के झोले की तलाशी ली और उसके पास से करीब 10 किलो अवैध मादक पदार्थ चरस बरामद किया गया.

दूसरी बरामदगी स्कार्पियो से कुत्तों की संजीदगी के बाद 71 किलोग्राम चरस बरामद की गई. जबकि तीसरे जगह बरामदगी में 38 किलो ग्राम चरस बरामद हुई है. कुल मिलाकर 119 किलोग्राम चरस बरामद हुआ जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 75 से 85 करोड़ रुपए बताई जा रही है. चरस बरामदगी की सूचना के बाद लखनऊ एनसीबी की एक यूनिट भी यह पहुंची और जांच पड़ताल किया. अधिकारियों ने कहा कि मुखबिर की सूचना पर ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ाई है. इस रैकेट का इंटरनेशनल कनेक्शन सामने आ रहा है. यह रैकेट देश भर में कई जगहों पर ड्रग्स की सप्लाई करता होगा और अब पूछताछ में कई खुलासे होंगे.

बोईसर में बिजली का तार छूने से मां-बेटे की मौत

बोइसर : बोइसर के पास शिगांव खुटाड़ में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है, जहां जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाए गए बिजली के तार को छूने से एक मां और बच्चे की मौत हो गई। बोइसर के पास शिगांव खुटाड़ में एक प्रवासी परिवार मिर्च के खेत में काम कर रहा था। खेत को जंगली सूअर से बचाने के लिए उसने बिजली का तार लगाया था. शाम करीब सात बजे वज्रपात की चपेट में आने से बालक ओमप्रकाश कन्हैया सहनी और उसे बचाने आये उसकी मां ललिता देवी कन्हैया सहनी की मौके पर ही मौत हो गयी.

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद बोइसर मौके पर पहुंच गए हैं और इस मामले में पंचनामा और आगे की जांच कर रहे हैं.

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मार्च, 2024

50 हजार से अधिक पद पड़े है रिक्त

बढ़ती जनसंख्या के बावजूद मुंबई मनपा में रिक्त पद होने से लोगो की बढ़ रही तकलीफे...

मुंबई : मुंबई महानगर पालिका में लगभग 50 हजार पद रिक्त पड़े है। जनसंख्या बढ़ने के बावजूद रिक्त पड़े पदों से लोगो को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। मनपा में कुल 1 लाख 45 हजार पद है जिसमें मात्र 92 हजार पद पर ही कर्मचारी काम कर रहे है। मुंबई में जनसंख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इसके बावजूद मुंबई मनपा में कर्मचारियों की संख्या घटती जा रही है। हर साल मनपा कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से मुंबई की जनता को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। सवा करोड़ से अधिक की जनसंख्या मुंबई में हो गई है। मनपा में लोगो को सुविधा देने के लिए कुल 129 विभाग के मार्फत लोगो को सुविधाएं दी जाती है जिसमे से कई विभाग अत्यावश्यक सेवा में आते है। मनपा ने नागरिकों को सेवा सुविधा देने के लिए नए विभाग बनाए गए है। लेकिन इसके बावजूद मनपा पिछले कई सालों से रिक्त पड़े पदों को भरने का काम नहीं किया गया। कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति, मृत्यु के कारण हर साल रिक्तियों की संख्या बढ़ती जाती है। प्राधिकरण से जानकारी मिली है कि कई वर्षों से भर्ती न होने के कारण पचास हजार से अधिक पद रिक्त हैं। मनपा कर्मचारी कामगार सेना ने मांग की है कि इन पदों को तुरंत भरा जाए. उपाध्यक्ष संजय बापरकर ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर इन पदों पर भर्ती करने की मांग की है. पत्र में यह भी कहा गया है कि हालांकि मनपा दैनिक काम और आवश्यक काम ठेके के कर्मचारियों से कराया जा रहा है और यह उचित नहीं है। कामगार सेना के अध्यक्ष बाबा कदम ने मांग की है कि मनपा कर्मचारियों के उत्तराधिकारी को मनपा की सेवा में लिया जाए। इतना ही नही ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को अनुभव के अनुसार उन्हें नियमित किया जाना चाहिए।

बांग्लादेश से भारत में घुसा ट्रक, शटर खोलते ही चकराया BSF जवानों का सिर, अंदर का नजारा देख फटी रह गईं आंखें

बारासात (पश्चिम बंगाल). भारत के तमाम प्रयासों के बावजूद बांग्लादेश से लगती सीमा पर अप्रिय घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. भारत-बांग्लादेश की सीमा जंगल के साथ ही पहाड़ों से भी घिरा हुआ है. घने जंगल की वजह से सुरक्षाबलों के लिए लगातार गश्त कर पाना भी काफी मुश्किल होता है. दोनों देशों के बीच व्यापार मार्ग भी खुला रहता है. सड़क मार्ग से भारत से बांग्लादेश ट्रकें और सामान्य वाहनें जाती और आती हैं. इन संपर्क मार्गों पर सुरक्षाबलों की कड़ी नजर रहती है. इरऋ के जवान लगातार वाहनों की चेकिंग करते रहते हैं, ताकि प्रतिबंधित या फिर कोई चीज गैरकानूनी तरीके से भारत की सीमा में प्रवेश न कर सके. सीमा पर चेकिंग के दौरान BSF के जवानों ने एक ट्रक और एक अन्य वाहन को रोका. तलाशी के लिए जब शटर खोला गया तो सुरक्षाबलों का सिर चकरा गए. पहले तो वे समझ ही नहीं सके कि अब आगे क्या किया जाए.

जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के पेट्रापोल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते 2.25 करोड़ रुपये के सोने की तस्करी का प्रयास करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी ने बताया कि जिले में गुप्त सूचना पर अलग-अलग घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ कर्मियों ने बांग्लादेश से भारत में प्रवेश करने वाले ट्रकों की तलाशी ली और एक वाहन से 1.58 करोड़ रुपये मूल्य के 2.5 किलोग्राम सोने के बिस्कुट जब्त किए

और दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

ट्रक से बड़ी मात्रा में सोना बरामद होने के बाद सुरक्षाबलों ने चौकसी और बढ़ा दी. तलाशी के क्रम में ही एक और वाहन इरऋके हत्थे चढ़ा. बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में एक अन्य व्यक्ति के पास से एक किलोग्राम से अधिक वजन का सोने का पेस्ट जब्त किया गया. जब्त सोना और गिरफ्तार व्यक्तियों को सीमा शुल्क अधिकारियों को सौंप दिया गया. इसकी कीमत लाखों रुपये में बताया जा रहा है. भारत-बांग्लादेश सीमा पर अक्सर ही तस्करी से जुड़ी घटनाएं सामने आती रहती हैं.

102 किलो गांजा जब्त

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में पुलिस ने 102 किलोग्राम गांजा जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शनिवार को धूलागढ़ के सांकरैल औद्योगिक पार्क में ओडिशा से आ रहे प्याज से भरे एक ट्रक को रोका और वाहन से लगभग 50 लाख रुपये का प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया. उन्होंने बताया कि वाहन में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की जांच की जा रही है.

यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि नागरिक अभी भी समस्या समाधान के लिए तकनीशियनों का दरवाजा खटखटाते हैं...

मुंबईः उच्च न्यायालय ने कहा है कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तांत्रिकों या फर्जी बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं। साथ ही, सत्र अदालत ने छह कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण के लिए एक बंगाली पिता को दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। इस बंगाली बाबा ने मां से विरासत में मिली आनुवंशिक समस्याओं के कारण बच्चों को शारीरिक विकलांगता के साथ पैदा होने से बचाने का इलाज मुहैया कराने का दावा करके इन लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया।

आरोपी किसी भी प्रकार की दया का पात्र नहीं है। किबहुना न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सजा के खिलाफ बंगाली बाबा की अपील को खारिज करते हुए यह भी कहा कि उन्हें दी गई आजीवन कारावास की सजा जीवन भर जारी रहेगी। सत्र न्यायालय ने 7 अप्रैल, 2016 को उन पर लगे सभी आरोपों में उन्हें दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आज भी नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तथाकथित तांत्रिक या बंगाली

बाबाओं के दरवाजे खटखटाते हैं और ये फर्जी बाबा उनकी कमजोरी और अंधविश्वास का फायदा उठाते हैं। इतना ही नहीं, वे उनसे पैसे भी वसूलते हैं और पीड़ितों का यौन उत्पीड़न भी करते हैं, इसका जिक्र भी कोर्ट ने आदेश में किया है. यह अंधविश्वास का एक अजीब मामला है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आरोपी ने छह नाबालिग लड़कियों और एक नौकरानी सहित सात लोगों का यौन शोषण किया। शिकायतकर्ता महिलाओं को डर था कि उनकी नाबालिग बेटियों के हमारे जैसे अतिसक्रिय बच्चे होंगे। इसलिए वे इन लड़कियों को इलाज के लिए आरोपियों के पास ले गए थे. कोर्ट ने यह भी कहा कि बच्चियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को उचित सजा दी जानी चाहिए. शिकायतकर्ताओं से वसूले गए 1.3 करोड़ रुपये में से 90 लाख 30 हजार रुपये पुलिस ने जब्त कर लिए. कोर्ट ने सेशन कोर्ट को ये रकम लड़कियों को देने का आदेश दिया. पुलिस के आरोपों के मुताबिक, आरोपी ने इस मामले में पीड़ित नाबालिग लड़कियों का इलाज करने के बहाने उनका यौन शोषण किया और उनके माता-पिता से 1.30 करोड़ रुपये भी वसूले। शिकायतकर्ता चार बहनें हैं। इनसे पैदा होने वाली लड़कियाँ तो सामान्य होती हैं लेकिन लड़कों में कई तरह की शारीरिक विकलांगताएँ होती हैं।

पुणे पुलिस ने एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को 45 करोड़ की ड्रग्स के साथ किया गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र में पुणे पुलिस ड्रग्स को लेकर एक्शन मोड़ में है. बावजूद इसके ड्रग्स की सप्लाई थमने का नाम नहीं ले रही है. ड्रग्स सप्लाई में कुछ पुलिसकर्मियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है. पुणे पुलिस ने एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को 45 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है. एक पुलिस अधिकारी का ड्रग्स कारोबार में नाम आने के बाद हड़कंप मच गया है. निगड़ी पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस अधिकारी विकास शेलके को गिरफ्तार किया गया है. पिंपरी चिंचवड़ पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी दस्ते ने शेलके को मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स बेचने की कोशिश करने के आरोप में पकड़ा है.

चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस सब इंस्पेक्टर शेलके के पास से 45 करोड़ रुपये की 44.50 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई, जिससे राज्य में हड़कंप मच गया है. शुक्रवार (1 मार्च) सुबह करीब 4:30 बजे सांगवी पुलिस ने सबसे पहले पिंपल निलख में कार्रवाई की और बिहार के मूल निवासी 32 साल के नमामि शंकर झा को गिरफ्तार किया.

मॉनसून से पहले मुंबई की सड़कों के गड्ढे असफाल्ट और मास्टिक से भरे जाएंगे...

110 करोड़ खर्च करेगी बीएमसी

मुंबईः मॉनसून से पहले मुंबई में सड़कों के गड्ढे भरने पर बीएमसी 110 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगी। इसके लिए बीएमसी ने मुंबई सिटी सहित पश्चिम और पूर्व उपनगर के लिए टेंडर जारी किया है। खासबात यह है कि बीएमसी गड्ढे भरने के लिए फिर से पुरानी पद्धति पर लौट आई है। बीएमसी सड़कों के गड्ढे और पैचेज असफाल्ट और मास्टिक पद्धति से भरेगी। जबकि, बारिश के दौरान एम-60 ग्रेड तकनीक, हॉट मिक्स और कोल्ड मिक्स का इस्तेमाल किया जाता है और बीएमसी दावा करती है कि इससे दोबारा गड्ढे नहीं पड़ेंगे। बारिश के दौरान सड़कों पर बनने वाले गड्ढों और पैचेज की वजह से बीएमसी को नागरिकों से लेकर जनप्रतिनिधियों की आलोचना का सामना करना पड़ता है। बीएमसी ने सड़कों के गड्ढे भरने पर मास्टिक और अस्फाल्ट दोनों का उपयोग करने का फैसला किया है। मुंबई में कुल 2,050 किमी लंबी सड़कें हैं। इन सड़कों को बीएमसी ने दो भागों में बांटा है। इसमें 9 मीटर से कम और 9 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कें शामिल हैं। दोनों का अलग-अलग टेंडर जारी किया गया है। 9 मीटर से कम चौड़ी सड़क में छोटी और मुख्य सड़कों से छोड़कर गलियों की सड़क शामिल होती हैं। इस पर गड्ढे पड़ने से स्थानीय लोगों को अधिक परेशानियां होती हैं। जबकि मुख्य सड़क पर गड्ढे पड़ने से लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है।

बीएमसी हर साल मॉनसून पूर्व सड़क पर बनने वाले गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदार नियुक्त करती है, लेकिन इसके बावजूद मॉनसून के दौरान बीएमसी को गड्ढे की वजह से आलोचना झेलनी पड़ती है। गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदार नियुक्त होने के बाद भी खुद सड़क पर बनने वाले गड्ढों को भरने का काम करती है।

महाराष्ट्र के पुलिस महासंचालक रश्मि शुक्ला ने माना...

गोवंडी पुलिस थाने के हद में जुएस थाई स्पा

(पेज १ का शेष....)

गोवंडी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुदर्शन होनवडजकर और इनके ऑर्डली राणा राजपूत यह दोनों किसी भी मामले में पीछे नही है। इनकी रिती रिवाज तो लोगो से बहुत अलग है। इन्हें सिर्फ हर महीने अच्छी खाशी रक्कम चाहिये। इसके एवज में रक्कम देने वाला भले ही देश और दुनिया के लिये किसी भी तरह का गैर कानूनी काम क्यों ना करे इन्हें तो सिर्फ रुपए चाहिए।

जानकारों के अनुसार गोवंडी पुलिस थाने के हद में कई प्रकार के अवैध धंधे आज खुलेआम चल रहे है। जिनमे से एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है। जिससे मुंबई पुलिस प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। स्थानिक जानकारों के अनुसार गोवंडी पुलिस थाने के अंतर्गत दुकान क्र १३०१ स्टेलर टावर के स्टार मॉल के सामने, चेम्बूर मुंबई - ४०००७१ इस पते पर आज लगभग दो साल से जुएस थाई स्पा नामक मसाज सेंटर किसन नामक व्यक्ति चला रहा है। मुंबई समाज सेवा शाखा द्वारा १३/०५/२०२३ के रोज इस अवैध जुएस थाई स्पा पर छापा मारा गया। छापे के दौरान कई आपत्तिजनक स्थिति में ग्राहकों के

सुदर्शन होनवडजकर
व.पु.नि.गोवंडी पुलिस थाने

किसन (जुएस थाई स्पा का मालिक)

साथ लडकियां और मैनेजर पुलिस के हत्थे चढ़े। उस वक्त मालिक किसन मौका मिलते ही फरार हो गया। पुलिस ने धारा ३७०,३,४,५,३४.के तहत कानूनी कारवाई करके पकड़े गये लोगो को आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिये गोवंडी पुलिस थाने को सौप दिया। इससे जुएस थाई स्पा के मालिक किसन को बड़ी राहत मिल गई । कारण किसन खास करके गोवंडी पुलिस थाने के अधिकारियो का बहुत चहीता है। पकड़े गये लोगो को अदालत से जमानत मिल गई अब बचे मालिक किसन तो उन्हें किसी बात का डर नही है। जब तक गोवंडी पुलिस थाने में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुदर्शन होनवडजकर और इनके ऑर्डली राणा राजपूत यह दोनों कार्यरत रहेगे। तब तक किसन को किसी से डरने की जरूरत नही है। और यह बात सौ प्रतिशत सत्य है। लडकियों को जमानत मिलने के दो दिन बाद ही गोवंडी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने मालिक किसन को जुएस थाई स्पा का करारनामा किसी और के नाम पर करने की सलाह दी। यह सलाह मिलते ही मालिक किसन ने अपने दुकान का करारनामा किसी एक अज्ञात व्यक्ति के नाम कर के दुबारा पहले की तरह से जुएस थाई स्पा में लडकियों को रख कर देह व्यापार का धंधा चला रहा है। इस बात की खात्री तब हुई जब स्थानिक एक नागरिक ने जुएस थाई स्पा में होने वाली अश्लील गतिविधिओ की पुरे एक घंटे की विडिओ रिकॉर्डिंग महाराष्ट्र क्राइम्स कार्यालय में प्राप्त होने के बाद दिनांक २३/१२/२०२३ के रोज गोवंडी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के नाम डाक और इमेल द्वारा भेज कर जुएस थाई स्पा में होने वाली अश्लील गतिविधियों की जानकारी देते हुये यह स्पष्ट लिखा था कि यह पत्र मिलने के बाद आप हमे तत्काल बुलाए, हम आपको वह विडिओ रिकॉर्डिंग पूरी देंगे। उसके बाद आप नियमित रूप से जुएस थाई स्पा पर कानूनी कारवाई करे। लगभग पन्द्रह दिन बित जाने के बाद दिनांक ०८/०१/२०२४ के रोज दुबारा स्मरण पत्र डाक और इमेल द्वारा भेज कर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुदर्शन होनवडजकर से हमे बुलाने की मांग की इस पर भी गोवंडी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुदर्शन होनवडजकर ने हमे बुलाना उचित नही समझा। दिनांक २७/०१/२०२४ के रोज परिमंडल क्र.६, के पुलिस उपायुक्त श्री हेमराज सिह राजपूत साहब के पास एक पत्र द्वारा इस जुएस थाई स्पा की पूरी जानकारी दी। परन्तु उनके आदेश को भी गोवंडी पुलिस ने पूरी तरह से नजरअंदाज किया। इससे साफ जाहिर होता है कि इस अवैध जुएस थाई स्पा पर कितने मेहरबान है। गोवंडी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुदर्शन होनवडजकर और इनके ऑर्डली राणा राजपूत दिनांक २८/०२/२०२४ के रोज परिमंडल छःके पुलिस उपायुक्त श्री राजपूत साहब के आदेश पर एक विशेष पुलिस बल को मालिक किसन को पकड़ने की जिम्मेदारी दि गई। दिनांक २९/०२/२०२४ के रोज फरार आरोपी किसन सानपाड़ा के सेक्टर ३० में केशव कुंज बिल्डिंग में नेचरल स्पा में बैठा था। पुलिस ने मौका पाकर फरार आरोपी किसन को धर दबोचा इससे यह साबित होता है कि पुलिस थाने के अधिकारी किसी भी अपराधी को पकड़ने में दिलचस्पी नही दिखाते है। और आज जहां भी जितने भी समाज में होने वाले गुन्हा उजागर हो रहे है वह सिर्फ भारतीय पुलिस सेवा बल के कारण ।

हेमराज सिह राजपूत
पुलिस उपायुक्त परिमंडल - 6

(पेज ८ पर....)

ओशिवरा पुलिस थाने के हद में वैलनेस स्पा

50 गरीब बच्चों को गोद लेकर खाकी की शान बढ़ा रही हैं रेहाना

घर और महकमे की ड्यूटी निभाने के साथ जरूरतमंदों की सेवा को भी फर्ज बना लिया रेहना शेख ने

मुंबईः साथ काम करने वाले एक सिपाही की मां बीमार थी। उसे मेडिकल सुविधाएं चाहिए थीं, लेकिन पुलिस सेवा में रहते हुए भी 40 वर्षीय रेहाना नजीर शेख उन्हें जरूरी मेडिकल सुविधाएं दिला पाने में असफल रही। अस्पताल में बेड से लेकर एंबुलेंस की बुकिंग करने तक हर काम में रेहाना को दिक्कतें हुई। नतीजा यह कि इन कड़वे अनुभवों ने रेहाना को व्यथित कर दिया। उन्होंने कोविड काल में ही जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही अपनी बीमार बहन को संभालने के साथ-साथ दूसरों की जान बचाने की मुहिम में भी जुटने का फैसला किया। धीरे-धीरे कारवां बनता गया। 7 और लोगों ने उनका साथ दिया और आज उनका समाजसेवक ग्रुप ग्रामीण भागों में लोगों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवा रहा है।

54 सिपाहियों को प्लाज्मा देकर बचाई जान

दो बच्चो की यह जांबाज मां मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच (इंटरपोल) में कार्यरत है। एक पुलिस अधिकारी बताते है, जब कोरोना में कुछ लोग अपनो तक से दूर हो गए थे, तब जान जोखिम में डालकर रेहाना लोगो की जान बचाने के लिए भाग-दौड़ कर रही थी। जरूरतमंदो को ऑक्सिजन और प्लाज्मा दिलाती थी। उनका यह जज्बा ही था जिसके चलते 54 लोगो को प्लाज्मा मिल पाया। इनमे से 24 तो मुंबई पुलिस के जवान ही थे। रेहाना की कर्तव्यनिष्ठा को देखते पूर्व पुलिस आयुक्त हेमत नगराले ने उन्हें सम्मानित किया।

50 बच्चों को गोद लेकर पढाती हैं सिपाही

समाज के जरूरतमंद तबके को मदद करने में रेहाना कभी पीछे नहीं हटीं। समाज में शिक्षा का अलख जगाने के लिए रायगड जिले के धामणी तालुका के गरीब परिवारों के 50 से अधिक बच्चो को गोद ले रखा है। उन्हें मुंबई पुलिस की मदर टेरेसा तक कहा जाता है। सीमित आमदनी, अनियमित ड्यूटी और बड़े होते बच्चों की जिम्मेदारी कधों पर होने के बावजूद रेहाना उन 50 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती है। ये वे बच्चे है जिनके अभिभावक लॉकडाउन और कोरोना की वजह से बच्चो को पढ़ाने-लिखाने में असमर्थ है। रेहाना जब खुद कोविड संक्रमित हुई थी, तो सरकार ने मुआवजे के तौर पर 10 हजार रुपये की हेल्प दी थी, लेकिन इस रकम से निर्सग तूफान में क्षतिग्रस्त स्कूल के लिए उन्होंने पतरा खरीदा और स्कूल की छत फिर बनवा दी।

मुंबई पुलिस का प्रतिनिधित्व कर दिलाया गोल्ड मेडल

रेहाना के पिता अब्दुल नबी बागवान सब इंस्पेक्टर पद से रिटायर्ड है। पति नासिर शेख भी मुंबई पुलिस में तैनात है। रेहाना साल 2000 में मुंबई पुलिस सेवा के लिए चयनित हुई। खाकी के प्रति लगाव, समाज के प्रति समर्पण और लीक से हटकर कुछ करने की जिद वाली रेहाना शेख अच्छी एथलीट भी है। 2017 में उन्होने श्रीलंका मे मुंबई पुलिस फोर्स का प्रतिनिधित्व करके गोल्ड मेडल जीता। रेहाना कहती हैः शिक्षा से वंचित बच्चे एक वक्त का खाना खाने के लिए स्कूल आते है। इन बच्चों की दयनीय स्थित देखकर खुद के बच्चों के साथ ईद मनाऊ, गवारा नहीं है। इसलिए ईद पर अपने बच्चों को कपड़ा दिलाने के बजाए गोद लिए बच्चों के लिए कपड़ा व मिठाई खरीदती हूं।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मार्च, 2024

खाने में थोड़ा बहुत नमक या फिर मिर्च मसाला तेज या कम हो जाए तो इसका जायका ही बिगड़ जाता है। कई बार घ्कुकिंग का काम भी मुश्किल लगने लगता है। ऐसे में कुछ आसान और स्मार्ट टिप्स आपके खाने को पहले से भी बेहतर बना देते हैं।

कुकिंग के ये टिप्स आपका काम कर देंगे आसान

रसोई का काम करना आसाम काम नहीं है। खाने में थोड़ा बहुत नमक या फिर मिर्च मसाला तेज या कम हो जाए तो इसका जायका ही बिगड़ जाता है। कई बार घर के सदस्यों की जिम्मेदारियां इतनी ज्यादा होती हैं कि कुकिंग का काम भी मुश्किल लगने लगता है। ऐसे में कुछ आसान और स्मार्ट टिप्स आपके खाने को पहले से भी बेहतर बना देते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं जो आपके बहुत काम आने वाले हैं।

- सुबह की शुरुआत परांठे से हो तो सारा दिन पेट संतुष्ट रहता है। आलू के परांठो का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है लेकिन अगर परांठे बनाने का समय नही है तो आटे में पहले से ही आलू गूंथ कर रख लें। इससे खाने का जायका बढ जाएगा।
- पकौडियां बनाते समय इसके घोल में 1 चम्मच गर्म तेल और चुटकी भर अरारोट डाल लें। इससे ये कुरकुरी बनेंगी।
- खीर बनाने के लिए चावल को हल्का सा पीस कर इस्तेमाल करें। इससे खीर गाढी बनेगी।
- भिंडी को ज्यादा समय तक ताजा रखने के लिए इसमें थोड़ा सा तेल लगाकर रख दें। इससे यह बहुत दिनों तक फ्रेश रहेगी।
- दाल को कीड़ों से बचाए रखने के लिए इसमें 1 बूंद कैस्टर ऑयल की डाल दें।
- केक को काट कर रखना है तो इसके किनारों पर ब्रेड के स्लाइस लगा दें। इससे केक सूखेगा नहीं।
- घर पर घी बनाते समय इसमें मेथी के थोड़े से दाने डाल दें। इससे घी जल्दी खराब नहीं होगा।
- पके हुए केलों को लटकाकर रखने से ये जल्दी खराब नहीं होते।
- आलू स्टोर करने है तो इनमें एक दो गांठ लहसून की रख दें। आलू जल्दी खराब नहीं होंगे।
- इमली में नमक लगाकर रखने से इसका स्वाद और रंग ज्यादा देर तक सही रहेगा।

दोस्ती के दरमियान कब प्यार का एहसास होने लगता है, इस बात पता काफी देर बात पता चलता है। जब प्यार होता है तो हम अपने दिल की बात बताते हुए झिझकते है। हर वक्त ऐसा मौका ढूंढते है, जब हम उनके सामने शादी का प्रस्ताव रखें और उसे किसी तरह का गुस्सा भी न लगे। परन्तु बहुत सी बार हमारा प्रपोज करने का तरीका ही गलत साबित हो जाता है।

इन रोमांटिक अंदाज से रखें मैरिज प्रपोजल

अगर आप चाहते है कि पार्टनर अपने शादी के प्रस्ताव को आसानी से मान जाए तो आज हम आपको प्रपोज करने के कुछ आईडिया बताएंगे, जो पार्टनर का खूब पसंद आएगा और शायद भी शादी के लिए मान भी जाए।

ख्वाबों सी हकीकत

घोड़े पर सवार राजकुमार अपनी प्रेमिका को प्यार इंजहार करता है ये कांसेप्ट पुराना हो चुका है। आप चाहे तो अच्छी महंगी लग्जरी कार किराए पर ले। फिर उस कार में बैठकर प्रेमिका के साथ ऐसी जगह पर लेकर और मौका मिलते ही उनसे अपने दिल की बात कह डालें।

जगमगाता प्रपोजल

जगमगाते दीयों के साथ मैरिज प्रोज करना काफी अच्छा ऑप्शन है। अगर इसके लिए आपको अपने दोस्तों की भी मदद लेनी पड़े तो अच्छी बात है। अपना कैंडल लाइट डिनर उसी तरह अरेंज करें, जैसे आप हमेशा करते है। डिनर खत्म होने के बाद प्रेमिका को जगमगाते दीपकों से लिखे गए वाक्य 'मुझसे शादी करोगी' की और लेकर जाए, इससे लड़की झट से खुश हो जाएगी और हां कर देगी।

रोमांटिक सैर

सरप्राइज तो मानो लड़कियों की पंसदीदा चीज है। अगर आप भी फ्रेंड को शादी के लिए प्रपोज कुछ अलग अंदाज में करना चाहते है तो उसे रोमांटिक सैर पर लेकर जाए। किसी खूबसूरत डेस्टीनेशन में पहुंचकर और मूड बनाकर शादी का प्रस्ताव रख डालें।

रिंग का सरप्राइज

भले ही यह तरीका पुराना है लेकिन काफी रोमांटिक है। गर्लफ्रेंड के सामने अचानक रिंग लेकर आए और उसे शादी के लिए प्रपोज करें।

पेरेंट्स की भूमिका निभाना कोई आसान काम नहीं है। बच्चे की सही परवरिश करते समय पेरेंट्स को कई बातों पर ध्यान रखना पड़ता है, उन्हें अपने से ज्यादा बच्चे की खुशी देखनी पड़ती है।

कहीं आप तो नहीं डालते बच्चे पर पढ़ाई का ऐसा दबाव?

कहते है कि बच्चे का पहला टीचर जो होता है वो पेरेंट्स ही होते हैं क्योंकि बच्चा स्कूल जाने से पहले जो कुछ भी सीखता है, वो अपने माता–पिता से ही सीखता है। ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित रहत है। खासकर परिक्षा आने पर बच्चों पढ़ाई का दवाब डालने लगते है, जिसका बच्चे के दिमाग पर गलत असर पड़ने लगता है। इसलिए बच्चों से कोई भी बात करते समय समझदारी से काम लें, ताकि बच्चा उस बात को अच्छे से समझ भी जाए और उसके दिमाग पर गहरा असर भी न हो।आज हम आपको कुछ ऐसी ही बातों के बारे में बताएंगे, जो बच्चों के दिमाग पर गहरा असर करती है।

खुद से तुलना करना

बच्चा जैसा भी है, लेकिन उसपर पढ़ाई को लेकर ज्यादा प्रैशर मत डालें। इसके अलावा उसके साथ अपनी तुलना करते हुए यह भी न कहें कि मैं तेरी उम्र में क्लॉस में सबसे प्रथम आया करता था। बच्चा इस बात को गंभीरता से लेकर अपने दिमाग से जरूर से ज्यादा जोर डाल सकता है, जिसका गलत परिणाम भी निकल सकता है। ऐसे में पेरेंट्स को समझना चाहिए कि सभी बच्चों की दिमाग एक जैसा नहीं होता।

आने दो तुम्हारे पापा को

अक्सर मांएं बच्चों को पापा का डरावा देकर उसे पढ़ने को कहती है लेकिन पापा के नाम यह अनुशासन कई बार बच्चों को उद्दंड या फिर डरपोक बना देता हैं। बच्चों के मन में पापा के प्रति प्यार की जगह खौफ बस जाता है।

हर समय ताना देना

बच्चों के हमेशा पढ़ाई को लेकर ताने मारते रहना, ये आदत बिल्कुल गलत है। आपके यहीं ताने बच्चों को गुस्सैल और चिड़चिड़ा बना देते है। ऐसे में बच्चों के ताने देने की बचाएं, उसके साथ प्यार से बात करें। उसका पढ़ाई में कमजोरी का कारण जानने की कोशिश करें।

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 मार्च, 2024

7 से 9 मार्च को नेशनल सोलर एंड ईवी एक्सपो 2024 का आयोजन होगा गांधी प्रतिष्ठान में

संवाददाता समर्थ कुमार सक्सेना

लखनऊ। नेशनल सोलर एंड ईवी एक्सपो 2024 उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं सह आयोजक यूपीनेडा के साथ साथ यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड लखनऊ द्वारा ऐसोचैम यूपी यूके के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। नेशनल सोलर एंड ईवी एक्सपो 2024 का आयोजन उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन हमेशा से ही प्रदेश स्तर पर जन जन को सोलर और पर्यावरण संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता आया है, प्रधानमंत्री मोदी की सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को प्रदेश सरकार की सहायता से इस योजना में और तेजी आए और ज्यादा ज्यादा इसका लाभ जन जन तक पहुंचे, इसी क्रम को बृहद रूप देते हुए उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन ने एक छत एक समाधान के लिए एक्सपो का आयोजन करने जा रही है, जिसमे 10 बड़े राज्यों से

विभिन्न कंपनियाँ अपने प्रोडक्ट जैसे बैटरी, पैनल, इन्वर्टर, अर्थिग, केबल ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड सोलर का प्रदर्शन करेगी। वहीं आज के पर्यावरण को शुद्ध रखने के मुहिम में इलेक्ट्रिकल गाड़ियों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री की योजना सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना को जन जन तक पहुंचना है जिसमे प्रधानमंत्री द्वारा 1 करोड़ घरों में सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में लगभग 22 हजार मेगा वॉट का लक्ष्य 2022 से 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक्सपो का आयोजन राज्य सरकार के सोलर योजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 22 हजार मेगावॉट को जल्द से जल्द पूरा कर देश में पर्यावरण संरक्षण किया जाए, विभिन्य राज्यों से भाग लेने वाली कंपनियों को एक छत एक समाधान से लाभ मिलेगा जिसमे बेचने वाले और खरीदने वाले एक ही छत के नीचे होंगे।

प्रेस कान्फ्रेंस में यूपीएसपीडीए के संरक्षक एवं एसोचैमयूपी-यूके के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तारिक हसन नकवी, यूपीएसपीडीए के अध्यक्ष अनवेश सिंह चौहान एसोचैमयूपी-यूके अध्यक्ष डीपी सिंह, यूपीएसपीडीए के उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल, अखिलेश त्रिपाठी,आईएनए सोलर के उपाध्यक्ष अजय शर्मा, एवं लूम सोलर से संजय मिश्रा इत्यादि एकसपो के अन्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लखनऊ लोकसभा संचालन समिति बैठक में तय हुई आगामी कार्ययोजना

संवाददाता समर्थ कुमार सक्सेना

लखनऊ। लोकसभा संचालन समिति एवम विधानसभा संचालन समिति की बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, लोकसभा संचालन समिति संयोजक एलएमसी मुकेश शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल की उपस्थिति में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तय की गई जिम्मेदारियों के अनुसार विस्तृत रूप से आगामी कार्य योजना तय की गई । बैठक में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है अब पार्टी के कार्यकर्ता के ऊपर पूरी जिम्मेदारी है। संगठन द्वारा तय 37 आयामों पर व्यवस्था प्रमुख के साथ चुनाव संचालन समिति तय किया गया है। जिनको ऊपर पूरी जिम्मेदारी है कि पूरी निष्ठापूर्वक कार्य करके भारी मतों से जीत दर्ज कराना है। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए यह संचालन समितियां महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ काम करेगी है राज्य एवं केंद्र द्वारा जनकल्याण योजनाओं को सभी जनों तक पहुंचाने का काम करेंगे जिसके लिए पार्टी द्वारा लाभार्थियों से बस्तियों में संपर्क अभियान कार्यक्रम भी चल रहा है। सभी योजनाओ को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का काम करे। एक-एक आयाम पर आपको प्रमुखता के साथ जिम्मेदारी का निर्वाह करना है

महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारंटी गाड़ी हर वार्ड में पहुंचकर योजनाओ का लाभ लाभार्थियों के तक पहुंचने का काम कर रही है आगामी चुनाव में यही लाभार्थी कमल का बटन दबाकर भरी मतों से जीत दिलाने का काम करेगी। भाजपा लखनऊ महानगर एवं लोकसभा संचालन समिति मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि हजरतगंज स्थित हलवासियां कोर्ट में आयोजित लोकसभा और विधानसभा की बैठके अलग-अलग आयोजित की गई जिसमें लोकसभा बैठक में सुनिश्चित विभागों के संयोजक व सहसंयोजक और विधानसभा बैठक में इसके अतिरिक्त विधानसभाओं के संयोजक और प्रभारी भी उपस्थित रहे।

व्यापारी का सम्मान हो यही लक्ष्य: संदीप बंसल

संवाददाता समर्थ कुमार सक्सेना/लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ महानगर टीम की घोषणा करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने गौतम बुद्ध मार्ग स्थित अपेक्षा ग्रह में यह ऐलान किया कि प्रत्येक व्यापारी को सम्मान दिलाना यही संगठन का लक्ष्य है और जब तक यह लक्ष्य पूरा नहीं होगा संगठन का कोई भी पदाधिकारी चेन से नहीं बैठेगा। उन्होंने व्यापारी हित में संगठन द्वारा किए गए कार्यों को बताते हुए राष्ट्रीय व्यापारी दिवस प्राप्त करना व्यापारी पेंशन योजना लागू करवाना और शिक्षक क्षेत्र की तरह पंजीकृत व्यापारियों से विधान परिषद चुना जाना यह आगामी कार्यक्रमों का मुख्य

मसौदा तय किया। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, प्रदेश के मुख्य संरक्षक वीरेंद्र टंडन बिल्लू भैया, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम, यूवा नगर अध्यक्ष अश्वन वर्मा, जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रभारी पतंजलि यादव की उपस्थिति में अभी तक अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महानगर मे वरिष्ठ महामंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे सुरेश छाबलानी को महानगर लखनऊ का अध्यक्ष घोषित किया महानगर के महामंत्री आलमबाग क्षेत्र से हरीश मलानी, अलीगंज क्षेत्र से राजीव, कक्कड़, सहादतगंज क्षेत्र से दीपेश गुप्ता, इंदिरा नगर क्षेत्र से राजीव अरोड़ा, और आशियाना क्षेत्र से अनुज गौतम, को चुना गया वरिष्ठ उपाध्यक्ष पदम जैन, मो. सालिम, डा संदीप अग्रवाल, राजेश गुप्ता, रमेश शुक्ला, महेश राठौर चुना गया और कोषाध्यक्ष पद पर राम मोहन अग्रवाल को चुना गया उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, आदर्श अग्रवाल, राजीव, शाश्वत विद्याघर, मुकेश कुमार नाग, नितिन श्याम अग्रवाल को चुना गया संगठन मंत्री के लिए जय मिगलानी, सूनीत साहू, आरके मिश्रा, वीरेंद्र वर्मा, मनोज कुमार, मो नसीम, राजीव रतन सिंह को चुना गया मंत्री पद के लिए के लिए वीरपाल सिंह, झबरू गुप्ता, आलोक एरम को चुना गया व संगठन के संरक्षक ओम अग्रवाल को और प्रचार मंत्री के लिए लाल बहादुर छोटेलाल को चुना गया सोशल मीडिया प्रभारी के लिए असीम चंद्रा संजय निधि अग्रवाल बनाए गए।

छत्तीसगढ़ में शहीद राम आशीष यादव के आश्रितों को सरकारी नौकरी सहित अन्य सुविधायें दी जाये : जयराम अनुरागी

बलिया ब्यूरो चीफ ओम प्रकाश पाण्डेय

बलिया। नेशनल प्राइम अवार्ड 2019 से सम्मानित जनपद के सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता जयराम अनुरागी ने जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री अश्विनी कुमार तिवारी को पत्रक देकर छत्तीसगढ़ में आईईडी विस्फोट में शहीद राम आशीष यादव के दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी के साथ - साथ अन्य सरकारी सुविधायें देने की मांग की है। श्री अनुरागी ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को सम्बोधित अपने ज्ञापन में कहा है कि राम आशीष यादव छत्तीसगढ़ में 卐छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल卐 में प्रधान आरक्षी के पद पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान ये 25-02-2024 को आईईडी ब्लास्ट में शहीद हो गये। इनके तीन पुत्र हैं, जिसमें उपेन्द्र यादव (29 वर्ष), हर्ष यादव (27 वर्ष), लालू यादव (22) एवं पुत्री पूजा यादव (22 वर्ष) है। इसमें इनकी पुत्री पूजा यादव की शादी हो गयी है। बड़े पुत्र छत्तीसगढ़ में ही सीएपी में कार्यरत है, लेकिन दो पुत्र आज भी बेरोजगार हैं।दुसरे नम्बर के पुत्र हर्ष यादव की योग्यता इण्टर पास है और इनके पास ड्राइविंग लाइसेंस का प्रमाण - पत्र भी है। छोटे पुत्र लालू यादव की योग्यता बी. टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) है। परिवार के मुखिया होने के नाते राम आशीष यादव ही पूरे परिवार को साथ लेकर चल रहे थे। इनके नहीं रहने से एक तरह से इनका पूरा परिवार अनाथ सा हो गया है और इनके दोनों छोटे पुत्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया है।

श्री अनुरागी ने अपनी मांग में शहीद राम आशीष यादव के मृतक आश्रितों में दोनों पुत्रों को उनकी योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी, इनकी विधवा श्रीमती मन्जू देवी को पेंशन, इनकी याद में गड़वार - नगरा मार्ग पर टाड़ी के बारी जाने वाले रास्ते पर 卐 स्मृति द्वार卐, कोई उपयुक्त जगह देखकर इनकी आदमकद मूर्ति लगाने, इनके परिवार के जीविकोपार्जन हेतु पेट्रोल पंप/ गैंस एजेंसी देने के साथ - साथ इस परिवार को कम से कम 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने जाने की मांग की है ।

महाराष्ट्र के पुलिस महासंचालक रश्मि शुक्ला ने माना...

ओशिवरा पुलिस थाने का चमत्कार

(पेज ५ का शेष....)

मुंबई शहर के बीचोबिच ओशिवरा नामक एक पुलिस थाना है। बताया जाता है कि इस पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले परिसर को लोग क्रीम परिसर (मक्खन वाला इलाका) कहते है। कहते है इस पुलिस थाने के हद में कई प्रकार के अवैध धंधे है। जैसे पूरी रात डांस बार. डिस्को. लडकियों को उनके ग्राहकों तक भेजना, फिल्म जगत की चकाचौंध वाली दुनिया के बीच सस्ते से महँगी अमली प्रदार्थ की बिक्री किये जाना, मसाज पार्लर के आड़ में मजबूर व लाचार लडकियों से देह व्यापार का धंधा कराना । इन सब धंधो से ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन गणपती पाटिल को हर महीने अच्छी खाशी उपरी कमाई हो जाती है। (इसी को कहते है मलाई वाला इलाका) इसी उपरी कमाई के कारण ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन गणपती पाटिल को कुछ दिखाई नही देता ।

ओशिवरा पुलिस थाने के हद में वैलनेस स्पा

ओशिवरा पुलिस थाने के हद में कामधेनु बिल्डिंग क्र ३ के ऊपर चौथे माले पर फ़्लैट क्र ४१२ लोखंडवाला मार्किट फुड इन होटल के पास, अंधेरी पच्छिम मुंबई क्र ५३ इस पते पर बोधि

वैलनेस नामक स्पा में मालिक जीतू भाई नामक व्यक्ति स्पा के आड़ में लडकियों को रख कर उन लडकियों से मसाज के नाम से देह व्यापार का धंधा चला रहा है। दिनांक १३/०१/२०२४ के रोज परिसर के एक नागरिक ने बोधि वैलनेस नामक स्पा मे होने वाली अश्लील गतिविधियों की पूरी एक घंटे की विडिओ रिकॉर्डिंग की है। उस विडिओ रिकॉर्डिंग की एक मेमरी कार्ड जनहित में शिकायत के आधार पर हमे दि । दिनांक १५/०१/२०२४ के रोज हमने ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन गणपती पाटिल के नाम एक पत्र लिख कर उन्हें बोधि वैलनेस स्पा में चलने वाली अश्लील गतिविधियों की जानकारी देते हुए यह स्पष्ट लिखा था की यह पत्र मिलने के बाद हमे बुलाकर हमारे पास जो विडिओ रिकॉर्डिंग है। उसे पूरा देखने के बाद ही आप उचित कानूनी कारवाई करके इस अवैध बोधि वैलनेस स्पा को बंद कराए। इस पत्र पर ओशिवरा पुलिस थाने से हमे कोई बुलावा नही आने पर दिनांक ६/०२/२०२४ के रोज स्मरण पत्र भेजकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन गणपती पाटिल का इस विषय पर

ध्यान दिलाना चाहा। इस पर भी उनके तरफ से खबर लिखे जाने तक कोई बुलावा नही आया। इस बात को लेकर परिसर के लोगो में यह चर्चा का विषय बना है। और कई लोगो का कहना है कि इस बोधि वैलनेस स्पा से ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन पाटिल को स्पा मालक जीतू हर महीने पचास हजार रुपए देता है। इसलिये ओशिवरा पुलिस द्वारा इस बोधि वैलनेस स्पा पर कानूनी कारवाई नही की जाएगी।

यह बात हकीकत है। जब बोधि वैलनेस स्पा के खिलाफ इतना पक्का सबुत होने के बाद भी ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन पाटिल ने यह जानना जरुरी नही समझा कि शिकायतकर्ता के पास कौन सी विडिओ है? इस पर हम मुंबई पुलिस प्रशासन से यह पूछना चाहते है कि जिस तरह से ओशिवरा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मोहन पाटिल ने अपने कर्तव्य को भूल कर कुछ रुपयों की खातिर शिकायतकर्ता की शिकायत को पूरी तरह अनदेखा करके उन्हें खुलेआम स्पा के आड़ में देह व्यापार का धंधा चलाने के लिए खुली छुट दी है क्या?

मोहन गणपती पाटिल
व.पु.नि. ओशिवरा

इस पर पुलिस प्रशासन का कानूनी कारवाई करने का कोई प्रावधान है? या इसी तरह से पुलिस अपनी उपरी कमाई के लिए अपने कार्यक्षेत्र में इस तरह के अवैध धंधो को अपना संरक्षण देते रहेगी? मुंबई पुलिस प्रशासन से यह आग्रह करते है कि इन तीनो पुलिस थानों के नियंत्रण में चलने वाले अवैध धंधो को बंद कराने का प्रयास करें।

चलती ट्रेन में पुलिसकर्मी ने अपहरणकर्ता से बच्ची को बचाया

अपहरणकर्ता और बच्ची की भाषा अलग-अलग होने से बढ़ा शक, स्कूल यूनिफॉर्म में थी लड़की, हुआ संदेह

मुंबईः आमतौर पर चलती ट्रेन में कोई यात्री किसी पर ध्यान नहीं देता है, लेकिन सिविल ड्रेस में यात्रा कर रहे एक पुलिसकर्मी ने संकट में घिरी एक 8 साल की बच्ची की तकलीफ को भांप लिया। अदालती कार्यवाही में शामिल होने जा रहे 27 वर्षीय एपीआई बलभीम नानावरे को एक बच्ची के साथ यात्रा कर रहे व्यक्ति के हाव-भाव पर संदेह हुआ। नानावरे ने गौर किया कि बच्ची स्कूल ड्रेस में है और उसकी भाषा भी अलग है। फिर उसने बेहद सूझबूझ से बच्ची को किडनैपर के चंगुल से आजाद कराने में सफलता पाई।

पुलिस के अनुसार, एपीआई नानावरे का हाल ही में पुणे पुलिस से मुंबई पुलिस में तबादला हुआ था। यहां उनको सशस्त्र विभाग में ड्यूटी मिली है, लेकिन पुणे पुलिस में दर्ज एक केस के सिलसिले में वह पुणे के शिवाजी नगर अदालत में गवाही देने जा रहा था। सादे कपड़ों में सिंहगढ़ एक्सप्रेस से मुंबई से पुणे की यात्रा करने के दौरान ट्रेन में नानावारे को एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। उसके साथ सफर कर रही लड़की स्कूल की यूनिफार्म में थी, इसलिए नानावरे का

उस व्यक्ति पर संदेह और गहरा गया।

बच्ची के चाचा का लिया मोबाइल नंबर

नानावारे के अनुसार, बच्ची उसकी ही सीट के पास खड़ी थी। इसलिए उसने मराठी में उससे बात करते हुए उसको न सिर्फ अपने बगल की सीट पर बैठाने में सफल रहा, बल्कि उसका भरोसा जीतकर उससे उसके चाचा का मोबाइल नंबर भी लेने में कामयाब रहा। इस दौरान उसने गौर किया कि वह संदिग्ध व्यक्ति, जो खुद को बच्ची का पिता बता रहा था, वह बच्ची को किसी से बात करने और कोई भी जानकारी देने से इशारों में मना किया करता था, इससे उसका शक और बढ़ गया।

मिसिंग की दर्ज थी शिकायत

इसी दौरान नानावरे ने लड़की के चाचा से फोन पर बात की, तो उसने बताया कि उसकी भतीजी स्कूल गई थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी है। इसलिए उन लोगो ने नजदीकी पुलिस में बच्ची के मिसिंग की शिकायत दर्ज करा रखी है। इसके बाद नानावरे ने ट्रेन में बैठे अन्य लोगों की मदद से इस संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा और लोनावाला रेलवे पुलिस को सौप दिया। रेलवे पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम दयानंद शर्मा है, वह वसई में रहता है। उसके खिलाफ रेलवे पुलिस अपहरण का मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुटी है। फिलहाल, लड़की को उसके माता-पिता को सौप दिया गया है। हालांकि, शर्मा ने बच्ची को किडनैप क्यों किया, इसका खुलासा पुलिस अभी नहीं कर पाई है।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www. maharashtracrimes. in / www. maharashtracrimes. blogspot. in Email : editor@maharashtracrimes. in / maharashtracrimes@gmail. com